हनुमान जी आप बजरंग बली महावीर

हनुमान जी आप बजरंग
बली महावीर ॥टेर॥

भक्तजनों का काज सारिया,
जब जब पडी भक्तों पर भीर ॥1॥

चारों जुगां मैँ विचरण करता,
आपरो अजर अमर शरीर ॥2॥

संजीवनी कारण धौलागिरी धर लायो,
जब लाग्यो लक्षमण रे तीर ॥3॥

कर कमल में गदा धारी,
जडीया मोती नवलख हीर ॥4॥

मंगल शनि तो दिन आपरे,
तेल सिँदूर शोभे शरीर ॥5॥

माता सिया का पता लगाया,
श्रीराम को बंधाई धीर ॥6॥

पवनपुत श्रीराम के दुत,

आप उडता संग समीर ॥7॥

रमेश राँगी आपरो जस गावे,
दिज्यो सुख़ संपत अरु सीर ॥8॥

Source: https://www.bharattemples.com/hanumaan-ji-aap-bajrang-bali-mahaveer/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw